Language Code : **16**

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **16** Printed pages.

JSS-24-II

प्रश्न-पत्र-II / PAPER-II
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
Sanskrit Language Supplement
भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code
I

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN SANSKRIT SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **I**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/ marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **I**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :

   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature :

निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Invigilator's Signature :

Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

CAREERINDIA
www.careerindia.com

CAREERINDIA

Language Code : **16**

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

JSS-24-II

प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भाग: IV च V

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

I

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्या: परीक्षा-पुस्तिकाया: पृष्ठावरणयो: (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ता: निर्देशा: ध्यानपूर्वकं पठनीया:।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशा:

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकाया: एकं परिशिष्टम् तेभ्य: परीक्षार्थिभ्य: अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयो: भागयो:**।
2. परीक्षार्थिभि: I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकात: देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तै: चिताभि: भाषाभि:।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्ना: मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ता:। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भि: पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील (Blue/Black)-बाल-पाइन्ट-लेखन्या:** प्रयोग: अनुमत:।
5. अस्या: भाषा-पुस्तिकाया: संकेतकं **I** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्या: भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकाया: संकेतकम् उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभाग: सम्प्रार्थनीय: यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्त: - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना: सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :

   भाग: IV : भाषा I - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 त: 120 पर्यन्तम्)*

   भाग: V : भाषा II - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 त: 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्ना:, V भाषा II भागे च 30 प्रश्ना: सन्ति। अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धा: प्रश्ना: सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयो: भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया। यस्या: अपि भाषाया: प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभि: सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभि: भाग: V (भाषा II) कृते, भाषातालिकात: सा भाषा चयनीया या तै: भाषा I (भागे IV) चिताया: अभीष्टभाषात: भिन्ना स्यात्।**
9. रफ़-कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्ध:।

परीक्षार्थिन: नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्क: : अङ्केषु : ____________________

: शब्देषु : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिन: हस्ताक्षरम् : ____________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

www.careerindia.com

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य Part-IV** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 91-120**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा Language-I** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-I** only.

www.careerindia.com

CAREERINDIA

PART–IV

LANGUAGE–I

SANSKRIT

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (Part-IV) प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 91-120)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (Language-I) रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (91-99) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत ।

प्रकृतिः समेषां प्राणिनां संरक्षणाय यतते। इयं सर्वान् पुष्णाति विविधैः प्रकारैः सुखसाधनैः च तर्पयति। पृथिवी, जलम्, तेजः, वायुः, आकाशः च अस्याः प्रमुखानि तत्त्वानि। तान्येव मिलित्वा पृथक्तया वाऽस्माक पर्यावरणं रचयन्ति। आव्रियते परितः समन्तात् लोकः अनेन इति पर्यावरणम्। यथा अजातश्शिशुः मातृगर्भे सुरक्षितः तिष्ठति तथैव मानवः पर्यावरणकुक्षौ। परिष्कृतं प्रदूषणरहितं च पर्यावरणम् अस्मभ्यं सांसारिकं जीवनसुखं, सद्विचारं, सत्यसङ्कल्पं माङ्गलिकसामग्रीञ्च प्रददाति। प्रकृतिकोपैः आतङ्कितो जनः किं कर्तुं प्रभवति ? जलप्लावनैः, अग्निभयैः , भूकम्पैः, वात्याचक्रैः, उल्कापातादिभिश्च सन्तप्तस्य मानवस्य क्व मङ्गलम् ?

अत एव अस्माभिः प्रकृतिः रक्षणीया। तेन च पर्यावरणं रक्षितं भविष्यति। प्राचीनकाले लोकमङ्गलाशंसिन ऋषयो वने निवसन्ति स्म। यतो हि वने सुरक्षितं पर्यावरणमुपलभ्यते स्म। तत्र विविधा विहगाः कलकूजिश्रोत्ररसायनं ददति।

सरितो गिरिनिर्झराश्च अमृतस्वादु निर्मलं जलं प्रयच्छन्ति । वृक्षा लताश्च फलानि पुष्पाणि इन्धनकाष्ठानि च बाहुल्येन समुपहरन्ति शीतलमन्दसुगन्धवनपवना औषधकल्पं प्राणवायुं वितरन्ति।

परन्तु स्वार्थान्धो मानवः तदेव पर्यावरणम् अद्य नाशयति। स्वल्पलाभाय जना बहुमूल्यानि वस्तूनि नाशयन्ति। जनाः यन्त्रागाराणां विषाक्तं जलं नद्यां निपातयन्ति। तेन मत्स्यादीनां जलचराणां च क्षणेनैव नाशो भवति। नदीजलमपि तत्सर्वथाऽपेयं जायते। मानवाः व्यापारवर्धनाय वनवृक्षान् निर्विवेकं छिन्दन्ति। तस्मात् अवृष्टिः प्रवर्धते, वनपशवश्च शरणरहिता ग्रामेषु उपद्रवं विदधति। शुद्धवायुरपि वृक्षकर्तनात् सङ्कटापन्नो जायते। एवं हि स्वार्थान्धमानवैः विकृतिम् उपगता प्रकृतिः एव सर्वेषां विनाशकर्त्री भवति। विकृतिमुपगते पर्यावरणे विविधाः रोगाः भीषणसमस्याश्च सम्भवन्ति। तत्सर्वमिदानीं चिन्तनीयं प्रतिभाति ।

धर्मो रक्षति रक्षितः इत्यार्षवचनम् । पर्यावरणरक्षणमपि धर्मस्यैवाङ्गमिति ऋषयः प्रतिपादितवन्तः । अत एव वापीकूपतडागादिनिर्माणं देवायतन–विश्रामगृहादिस्थापनञ्च धर्मसिद्धेः स्रोतरूपेण अङ्गीकृतम् । कुक्कुर–सूकर–सर्प–नकुलादि–स्थलचराः, मत्स्य–कच्छप–मकरप्रभृतयः जलचराश्च रक्षणीयाः । प्रकृतिरक्षया एव लोकरक्षा सम्भवति इत्यत्र नास्ति संशयः ।

91. प्राचीनकाले ऋषयो वने निवसन्ति स्म, यतो हि तत्र __________ आसीत् / आसन्।

(1) हरिताः वृक्षाः (2) पुष्पिताः पादपाः (3) सुरक्षितं वातावरणम् (4) विविधाः जन्तवः

92. केन मानवस्य अमङ्गलं न भवति ?

(1) पर्यावरणसंरक्षणेन (2) भूकम्पैः (3) वात्याचक्रैः (4) उल्कापातैः

93. अधोलिखितेषु किम् आर्षवचनम् अस्ति ?

(1) धर्मो रक्षति रक्षितः (2) पठनाय विद्यालयं गच्छ

(3) स्वच्छता परमो धर्मः (4) शुद्धभोजनं कुरु

94. अजातश्शिशुः कुत्र सुरक्षितः तिष्ठति ?

(1) भूतले (2) गृहे (3) प्रसूतिगृहे (4) मातृगर्भे

95. अधोलिखितेषु किं प्रकृतेः तत्त्वं न भवति ?

(1) आकाशः (2) वायुयानम् (3) जलम् (4) तेजः

www.careerindia.com

CAREERINDIA

96. शुद्धपर्यावरणम् अस्मभ्यं किं न प्रददाति ?
(1) जीवनसुखम् (2) सद्विचारम् (3) प्राकृतिक विपत्तिम् (4) सत्यसङ्कल्पम्

97. 'धर्मस्यैव' इत्यस्मिन् पदे सन्धिनिर्देशं कुरुत–
(1) गुणसन्धिः (2) वृद्धिसन्धिः (3) हल्सन्धिः (4) दीर्घसन्धिः

98. मत्स्यादीनां नाशो केन भवति ?
(1) अम्लेन (2) दुग्धेन (3) विषाक्तजलेन (4) वर्षाजलेन

99. 'विकृतिः' इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः ?
(1) क्त (2) शतृ (3) क्तिन् (4) क्तवतु

अधोलिखितान् पद्यान् पठित्वा प्रश्नानां (100-105) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत ।

गृहीत्वा दक्षिणां विप्रास्त्यजन्ति यजमानकम् ।
प्राप्तविद्या गुरुं शिष्या दग्धाऽरण्यं मृगास्तथा ।।1।।
आचारः कुलमाख्याति देशम् आख्याति भाषणम् ।
सम्भ्रमः स्नेहमाख्याति वपुराख्याति भोजनम् ।।2।।
रूपयौवनसम्पन्नाः विशालकुलसम्भवाः ।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः ।।3।।
उद्योगे नास्ति दारिद्र्यम् जपतो नास्ति पातकम् ।
मौने च कलहो नास्ति नास्ति जागरिते भयम् ।।4।।
एकेनापि सुपुत्रेण विद्यायुक्तेन साधुना ।
आह्लादितं कुलं सर्वं यथा चन्द्रेण शर्वरी ।।5।।

100. अधोलिखितेषु क्रियापदं चिनुत ।
(1) दारिद्र्यम् (2) साधुना (3) शोभन्ते (4) शर्वरी

101. दक्षिणां गृहीत्वा यजमानकं के त्यजन्ति ?
(1) मित्राणि (2) विप्राः (3) छात्राः (4) सम्बन्धिनः

102. सुपुत्रस्य तुलना केन सह कृता ?
(1) वृक्षेण (2) चन्द्रेण (3) गजेन (4) पुष्पेण

103. आह्लादितं– इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः अस्ति ?
(1) क्त (2) शतृ (3) शाणच् (4) मतुप्

104. 'विद्याहीनाः' इत्यस्मिन् पदे कः समासः वर्तते ?
(1) द्वन्द्वसमासः (2) तत्पुरुषसमासः (3) अव्ययीभावसमासः (4) कर्मधारयसमासः

105. भोजनं किं आख्याति ?
(1) देशः (2) आचारः (3) सम्भ्रमः (4) वपुः

www.careerindia.com

CAREERINDIA

106. अध्यापकेषु, छात्रेषु सामग्रीषु च परीक्षाणां आकलनानां च प्रभाव: कथ्यते–

(1) सामूहिकप्रभाव: (Corpus effect)
(2) प्रतिवाहीप्रभाव: (Washback effect)
(3) कक्षाप्रभाव: (Classroom effect)
(4) पुनर्बलनम् (Reinforcement)

107. विद्यालयै: समायोगात्मकद्विभाषावादस्य अनुकरणं कर्तव्यम्, यतो हि अयं–

(1) छात्रस्य भाषाया: संस्कृते: च सम्मानं करोति
(2) द्वितीयभाषारूपेण आङ्गलभाषाया: अध्यापनं महत्त्वं ददाति
(3) छात्रस्य भाषाया: संवर्धनं करोति, न तु तस्य संस्कृते:
(4) प्रथमभाषाया: विकासं बाधते

108. भाषिकक्रिया यथा शैली, स्वर: (Tone), बलाघात: (Stress), ताल: (Rhythm) कथ्यते–

(1) काव्यरचना (Poetry)
(2) छन्दोज्ञानम् (Prosody)
(3) स्वनिक: (Phonetic)
(4) तथ्यात्मक: (Pragmatic)

109. भारतदेशे भाषाणां विषये अधोलिखितेषु किं कथनं सत्यं न अस्ति ?

(1) भारतीयसंविधानानुसारं आङ्गलभाषा एका संयुक्तराजकीय भाषा अस्ति
(2) भारतीयसंविधानस्य अष्टमानुच्छेदसूच्यनुसारं द्वाविंशति: भाषा: सन्ति
(3) संस्कृतं एका आधुनिकभारतीयभाषा अस्ति (MIL)
(4) हिन्दीभाषा भारतीयप्रायद्वीपस्य व्यवहारभाषा अस्ति (Lingua Franca)

110. एकस्यां भाषाकक्षायां छात्रा: अध्यापकस्य निर्देशने वर्गाणां (Groups) निर्माणं कुर्वन्ति । ते एकस्मिन् दत्तविषये एकं विज्ञापनं प्रस्तुवन्ति । अनेन विधिना भाषाधिगम: कथ्यते–

(1) संयुक्ताधिगम:
(2) स्पर्धा प्रतिद्वंद्विता च
(3) भाषाक्रीडा:
(4) निर्देशनं परामर्श: च (Counselling)

111. एका अध्यापिका एकं कार्यं ददाति, यस्मिन् छात्रा: भोजनालयेषु (Restaurants) प्रयुक्तया शब्दावल्या सुपरिचिता: भवेयु: । अस्य पाठस्य अधोलिखितेषु क: उद्देश्य: भवितव्य: ?

(1) छात्रं शाब्दिकविषयाणां परिचयदानम्
(2) व्याकरणात्मकविषयै: सुपरिचय:
(3) अवकाशगन्तव्यस्थानविषयकस्य पाठस्य भूमिकाया: प्रस्तुति: (To introduce)
(4) समालोचनात्मकविचारशीलताया: विकास:

112. कस्या: अधिगमशाखाया: (School of Learning) मतं आसीत् यत् भाषा–मौखिकं अमौखिकं वा, अभ्यासनिर्माणप्रक्रियया सम्भवति ?

(1) क्रियावादी (Functionalist)
(2) व्यवहारवादी (Behaviourist)
(3) प्रज्ञानवादी (Cognitivist)
(4) विनिमयवादी (Interactionalist)

113. कथाया: समय: स्थानं च कथ्येते–

(1) विषय: (Theme)
(2) स्थापनम् (Setting)
(3) कथावस्तु (Plot)
(4) ऊर्द्ध्वगमनम् (Climax)

www.careerindia.com

CAREERINDIA

114. एकस्यां भाषाकक्षायां, एका अध्यापिका छात्राणां एकं समूहं क्रेतारूपेण, भूसम्पत्तिविक्रेतारूपेण, गृहस्वामीरूपेण,अधिवासीरूपेण च अभिनेतुं निर्दिशति । तावत् अन्यान् छात्रान् तान् द्रष्टुं, तेषां वार्तालापात् आनन्दग्रहणाय च कथयति । अयं गतिविधि: कथ्यते–

(1) भूमिकानिर्वहणम् (Role play) (2) नाटकम् (Drama)
(3) अभिनयकक्षा (Acting class) (4) निर्देशनम् (Guidance)

115. एका भाषाध्यापिका पञ्चमकक्षाया: छात्राणां शिक्षणार्थं प्रतिदिनं वस्तूनि यथा समाचारपत्रं, व्यञ्जनसूचीपत्राणि (Menu-cards), रेलपत्रकाणि (Rail-tickets) च आनयति । सा अध्ययनं केन रूपेण कर्तुं प्रयतते ।

(1) सा स्वशिक्षणं अधिकतरं यथार्थं लाभकारि च कर्तुं प्रामाणिकसामग्रीनां प्रयोग: करोति
(2) सा बहुभाषानां शिक्षितुं स्वछात्राणां सहायतां करोति
(3) सा इच्छति यत् तस्या: छात्रा: वास्तविक जीवनसदृशस्थित्या: माध्यमेन आङ्ग्लभाषां शिक्षेयु:
(4) सा छात्राणां मध्ये जागरूकतां उत्पादयति

116. श्रवणपाठस्य योजनायां अधोलिखितेषु किं एकं महत्त्वपूर्णं तत्त्वं न अस्ति ?

(1) ध्वन्यङ्कनविरति: (Pausing the recording)
(2) वाचनगति: (Speed of delivery)
(3) वक्तॄणां लिङ्ग: (Gender of speakers)
(4) वक्तॄणां संख्या (Number of speakers)

117. भारतदेशे बहुभाषिकतावाद: अध्यापकान् किं अवबोद्धुं इच्छति ?

(1) सम्प्रेषणं भवति सामाजिकसंसक्ति:(Social Cohesion) च संवर्धते
(2) अप्रधानभाषा: प्रमुखभाषाभि: सह संयोज्या:
(3) एकस्या: भाषानीते: निर्माणं विविधतापूर्णसमाजे कर्तव्यम्
(4) भाषा, समरूपता (Identity) संस्कृति: च पृथक् वर्तते

118. भाषाया: किं कौशलं ग्राह्यताकौशलरूपेण (Receptive skill) ज्ञायते ?

(1) श्रवणं कथनं च (2) कथनं लेखनं च (3) पठनं लेखनं च (4) श्रवणं पठनं च

119. श्रवणे समाविष्ट: भवति–

(1) ध्वनिश्रवणं ध्वनीनां यथावत् निष्कूटनम् (Decoding)
(2) प्रतिपाद्यस्य अनुमानम्
(3) विषयस्य पूर्वज्ञानस्य प्रयोग:
(4) ध्वनीनाम् अभिज्ञानं तस्मात् च अर्थनिमगनम्

120. **A** तालिकायां भाषाध्यापनविधीनां सम्मेलनं **B** तालिकायां तेषां अवबोधनेन सम्बद्धगतिविधिभि: सह कुरुत –

	A		**B**
(a)	सम्प्रेषणात्मभाषा अध्यापनम्	(i)	सामाजिकरूपेण स्वीकार्या प्रसङ्गानुसारं उपयुक्तभाषा
(b)	प्रत्यक्षविधि:	(ii)	मूकपठनम्
(c)	व्याकरणानुवाद:	(iii)	लिखित साहित्यिकपाठा:
(d)	वैस्ट इत्यस्य नवीनविधि:	(iv)	व्याकरणस्य अध्यापनं नियमानुसारं क्रियते

(1) (a)-(i), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(ii)
(2) (a)-(iv), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(i)
(3) (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iv)
(4) (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(iii)

www.careerindia.com

CAREERINDIA

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य Part-V** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 121-150**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा Language-II** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-II** only. →

www.careerindia.com

CAREERINDIA

PART–V

LANGUAGE–II

SANSKRIT

अभ्यर्थिन: **पञ्चमभागस्य (Part-V)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्यु:, यदि तै: **संस्कृतं द्वितीयभाषा (Language-II)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (121-128) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमं उत्तरं चिनुत ।

प्राचीनकाले वाल्मीकि: नाम एक: ऋषि: आसीत् । एकदा स्वशिष्यै: सह स: तमसानद्या: तटे विहरति स्म । तदैव स: व्याधेन विद्धम् एकं क्रौञ्चमपश्यत् । तस्य वियोगेन क्रौञ्ची उच्चै: अरुदत् । तस्या: रोदनं श्रुत्वा ऋषि: द्रवीभूत: अभवत् । तस्य मुखात् अयं श्लोक: सहसा एव निर्गत: –

''मा निषाद! प्रतिष्ठां त्वमगम: शाश्वती: समा: ।

यत्क्रौञ्चमिथुनादेकमवधी: काममोहितम् ।।''

अयं श्लोक: लौकिकसंस्कृतसाहित्यस्य प्रथमा रचना अस्ति । ऋषे: वाणीं श्रुत्वा ब्रह्मा स्वयमेव तत्र उपस्थित: अभवत् ऋषिं च रामचरितं लेखितुं प्रेरितवान् । ब्रह्मण: आदेशानुसारं महर्षिणा वाल्मीकिना श्लोकबद्धा रामायणी कथा लिखिता । संस्कृतसाहित्ये रामायणं नाम महाकाव्यम् आदिकाव्यं मन्यते ऋषिश्च आदिकवि: । रामायणम् एकमुपजीव्यं काव्यमस्ति । अस्य कथा: गृहीत्वा अनेकानि काव्यानि महाकाव्यानि नाटकानि च रचितानि ।

अस्मिन् काव्ये सर्वत्र स्वाभाविकता वर्तते । प्रकृतिवर्णने तु महर्षि: वाल्मीकि: अप्रतिम एव । अस्य पात्रसृष्टि: सजीवा व्यक्तित्वयुक्ता च विद्यते । सीताया: चरितं भारतीयनारीचरितादर्शस्य प्रतीकमस्ति । मातृप्रेम्ण: यादृशी भावना अत्र दरीदृश्यते न सा प्राप्यते अन्यत्र कुत्रापि । आदर्श: आज्ञापालक: धर्मरक्षक: रामसदृश: सुत:, भरतलक्ष्मणशत्रुघ्नसदृशा: भ्रातर:, दशरथतुल्य: पिता, कौशल्यासुमित्रातुल्ये जनन्यौ, सीतासदृशीसाध्वी पत्नी, हनुमत्सदृश: सेवक:, सुग्रीवतुल्य: सुहृत्, विभीषणसदृश: भक्त: च अन्यत्र कुत्रापि विश्वसाहित्ये नैव दृश्यन्ते । सीता मातृरूपेण सम्मान्यते श्रीरामश्च भगवद्रूपेण । मानवजीवनस्य अमूल्यानि तत्त्वानि अत्र वर्णितानि सन्ति ।

121. रामायणस्य कथा: गृहीत्वा कानि न लिखितानि ?

(1) गणितस्य सूत्राणि (2) महाकाव्यानि (3) नाटकानि (4) काव्यानि

122. सर्वेभ्य:– इत्यस्मिन् पदे का विभक्ति: किं च वचनम् अस्ति ?

(1) तृतीया विभक्ति:, बहुवचनम् (2) चतुर्थी विभक्ति:, बहुवचनम्

(3) षष्ठी विभक्ति:, एकवचनम् (4) सप्तमी विभक्ति:, द्विवचनम्

123. रामायणस्य पात्रसृष्टि: कीदृशी वर्तते ?

(1) प्रथमा (2) अतुल्या (3) कृत्रिमतायुक्ता (4) सजीवा

124. क्रौञ्ची कस्य वियोगेन उच्चै: अरुदत् ?

(1) गृहस्य (2) क्रौञ्चस्य (3) शुकस्य (4) मातु:

www.careerindia.com

125. रामायणं एकं __________ काव्यम् अस्ति । अत्र रिक्तस्थानं पूरयत ।

(1) सरसम् (2) प्रसिद्धम् (3) उपजीव्यम् (4) अपठितम्

126. अधोलिखितेषु किं क्त्वाप्रत्ययान्तं पदं न वर्तते ?

(1) युक्ता (2) श्रुत्वा (3) गृहीत्वा (4) लिखित्वा

127. संस्कृतसाहित्ये आदिकविः कः मन्यते ?

(1) भवभूतिः (2) भासः (3) व्यासः (4) वाल्मीकिः

128. कस्मिन् ग्रन्थे जीवनमूल्यानि वर्णितानि सन्ति ?

(1) महाभारते (2) रघुवंशे (3) रामायणे (4) गीतायाम्

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (129-135) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत ।

संस्कृतभाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा अस्ति । विश्वस्य प्राचीनतमः ग्रन्थः 'ऋग्वेदः' अस्यामेव भाषायाम् लिखितः अस्ति । इयम् भाषा सुरवाणी, देववाणी, गीर्वाणवाणी, सुरभारती, देवभाषा प्रभृतिभिः नामभिः लोके विख्याता अस्ति । इयम् रम्या, मधुरा, दिव्या, सरला, सरसा च भाषा अस्ति । इयम् भाषा अलौकिकैः गुणैः समृद्धा वर्तते । इयमेव भाषा सर्वासाम् भारतीयभाषाणाम् जननी । सर्वासु एव भाषासु संस्कृतशब्दाः प्राचुर्येण उपलभ्यन्ते ।

वेदाः, उपनिषदः, पुराणानि, रामायणम्,महाभारतम्–इत्यादयः हिन्दूनाम् अनेके धार्मिकाः ग्रन्थाः संस्कृते एव लिखिताः सन्ति । विश्वविख्याता गीता महाभारतस्यैव अंशः अस्ति । महाकवेः कालिदासस्य रघुवंशम् अभिज्ञानशाकुन्तलम् च, भवभूतेः उत्तररामचरितादयः ग्रन्थाः संस्कृतसाहित्ये विशेषरूपेण प्रसिद्धाः सन्ति । एतान् पठित्वा न केवलं भारतीयाः अपितु वैदेशिकाः अपि चकितचकिताः भवन्ति।

अस्याः अध्ययनेनैव अस्माकम् सर्वेषाम् नैतिकम्, आध्यात्मिकम्, सामाजिकम् च कल्याणम् संभवम् किन्तु दुःखस्य विषयोऽयं यत् अधुना जनाः संस्कृतभाषाम् संस्कृतसाहित्यम् च पठितुम् नैव इच्छन्ति । आधुनिके कलियुगे आंग्लभाषायाः एव महत्वम् वर्तते ।

स्वसंस्कृतिम् ज्ञातुमपि संस्कृतस्य अध्ययनम् अनिवार्यं वर्तते । अतः संस्कृतभाषायाः माहात्म्यं गौरवं च विज्ञाय अस्माभिः सर्वैः अस्याः प्रचारे प्रसारे च प्रयत्नः करणीयः ।

129. भवभूतेः कः ग्रन्थः प्रसिद्धः अस्ति ?

(1) ऋग्वेदः (2) उत्तररामचरितम् (3) जानकीहरणम् (4) स्वप्नवासवदत्तम्

130. आधुनिके कलियुगे कस्याः भाषायाः महत्वं वर्तते ?

(1) पञ्जाबीभाषा (2) फ्रैन्चभाषा (3) आङ्ग्लभाषा (4) फारसीभाषा

131. अधोलिखितेषु किं तृतीया विभक्तेः पदं न अस्ति ?

(1) नामभिः (2) गौरवम् (3) प्राचुर्येण (4) अस्माभिः

132. संस्कृतभाषा कीदृशी न वर्तते ?

(1) परुषा (2) सरला (3) दिव्या (4) रम्या

133. कान् पठित्वा भारतीयाः वैदेशिकाः च चकिताः भवन्ति ?

(1) गणितविषयस्य पुस्तकानि (2) संस्कृतसाहित्यस्य ग्रन्थान्

(3) तमिलभाषायां लिखितान् ग्रन्थान् (4) संगीतग्रन्थान्

134. अध्ययनेनैव- इत्यस्य पदस्य सम्यक् सन्धिविच्छेदं कुरुत ।

(1) अध्ययने + नैव (2) अध्यय + नेनैव (3) अधि + अध्ययनेनैव (4) अध्ययनेन + एव

135. संस्कृतभाषा कैः समृद्धा वर्तते ?

(1) सुन्दरतया (2) अलौकिकैः गुणैः (3) नैतिकतया (4) चमत्कारेण

136. अधोलिखितेषु किं साधनं वर्तते यत् अनेकान् ऑनलाइन (Online) समकालिकान् असमकालिकान् च अध्यापन-अवसरान् उपस्थापयति ?

(1) पाठ्यपुस्तकम् (2) रेलपत्रकम् (Railway ticket)

(3) दूरदर्शनम् (4) पैडलेट (Padlet)

137. रचनात्मक-आकलनाय किं साधनं आदर्शं न अस्ति ?

(1) निबन्धनम् (Assignment) (2) पत्र-लेखनी परीक्षा (Pen-pencil Test)

(3) परियोजना (Project) (4) कक्षाप्रस्तुतिः (Class Presentation)

138. भाषाध्यापनाय दैनंदिनवस्तूनां प्रयोगः कथ्यते-

(1) यथार्थता (Realia) (2) भाषाक्रीडाः (Language games)

(3) अध्यापनसाधनम् (Teaching aid) (4) पाठः (Text)

139. शिक्षानीत्यां (त्रिभाषासूत्रम्) भारतस्य भाषा किं संवर्धयितुं प्रयतते-

(1) बहुभाषाशिक्षा (Multilanguage education)

(2) एकभाषिकशिक्षा (Monolingual education)

(3) हिन्दीभाषां केन्द्रीकृत्वा द्विभाषिकशिक्षा

(4) मातृभाषाधारितः बहुभाषिकतावादः

140. ऊर्ध्व-अधोगामीप्रक्रियाविषये किं सत्यं न अस्ति ?

(1) श्रोतारः तेषां पूर्वज्ञाने आश्रिताः भवन्ति (2) श्रोतारः अभिप्रेतार्थस्य विषये अनुमानानि कुर्वन्ति

(3) श्रोतारः विश्वस्य ज्ञानस्य प्रयोगं कुर्वन्ति (4) श्रोतारः प्रत्येकशब्दं अवगन्तुं समर्थाः भवेयुः

141. अन्तर्राष्ट्रीयमातृभाषादिवसः कदा आयोज्यते ?

(1) 1 जनवरी (2) 14 फरवरी (3) 21 फरवरी (4) 13 अप्रैल

142. यदि भवान् एकं सहकर्मिनं, यः भवतः मित्रम् अस्ति, ईमेल (Email) लिखितुम् इच्छति, अधोलिखितेषु ईमेलप्रकार कः भवेत् ?

(1) अनौपचारिकः (Informal) (2) औपचारिकः (Formal)

(3) व्यवासायिकः (Business) (4) पत्राचारः (Correspondence)

143. छात्रस्य अधिगमं अवबोधं च स्पष्टीकरणाय अध्ययनाध्यापनान्तरं यत् आकलनं क्रियते तत् कथ्यते–

(1) अधिगमाय आकलनम् (2) अधिगमस्य आकलनम्

(3) अधिगमे आकलनम् (4) अधिगमरूपेण आकलनम्

144. एकस्यां द्वितीयभाषाकक्षायां एकः अध्यापकः 'स्वास्थ्यं धनम् अस्ति' इति विषये श्रव्यस्य प्रयोगः करोति । तदा सः पत्राणां वितरणं करोति एवं छात्रान् दत्तेभ्यः विकल्पेभ्यः शुद्धं उत्तरं चेतुं कथयति । पाठस्य उद्देश्यः छात्रान् कस्मिन् समर्थीकर्तुं आसीत्

(1) स्वास्थ्यविषयकं पाठं श्रुणोतुम् (2) एकस्मिन् कार्ये छात्रान् संलग्नीकर्तुम्

(3) विचाराणां विश्लेषणार्थं श्रवणम् (4) स्वास्थ्य एवं धनविषयकं पाठं कण्ठस्थीकर्तुम्

145. भाषाधिगमे त्रुटिविषये किं सत्यं न अस्ति ?

(1) त्रुटयः भाषाधिगमप्रक्रियायां बाधिकाः भवन्ति

(2) त्रुटयः सर्वदा न दोषावहाः अधिगमे च सहायिकाः भवन्ति

(3) त्रुटयः भाषाधिगमप्रक्रियायाः निर्णायकपक्षाः भवन्ति

(4) त्रुटयः द्वितीयभाषाधिगृहणस्य प्रक्रियां अधिगन्तुं सहायिकाः भवन्ति

146. भाषाशिक्षायां क्रियात्मकता अस्ति–

(1) मुक्तकक्षाकार्याणि येषु व्याख्यावैभिन्याय उत्तराय च अवसराः भवेयुः

(2) किञ्चित् विषयं अवगन्तुं भिन्नेभ्यः विषयेभ्यः तत्त्वानां समावेशनम्

(3) कक्षागतिविधिः यस्मिन् अध्यापनस्य नवीनविधीनां प्रयोगः क्रियते

(4) कक्षासामग्री यस्यां सम्प्रेषणात्मकभाषा अध्यापनस्य प्रयोगः क्रियते

147. 'छात्रेभ्यः भाषायाः परिचयः दातव्यः, एवं त्रुटयः अस्य प्रमाणाः भवन्ति यत् अधिगमः प्रवर्तते'– अस्य समर्थनं केन कृतम् ?

(1) व्यवहारवादिनः (Behaviourists) (2) संज्ञानवादी (Cognitivist)

(3) मानवतावादी (Humanist) (4) मनोविश्लेषकः (Psychoanalyst)

www.careerindia.com

CAREERINDIA

148. अधोलिखितेषु किं कथनं सत्यं अस्ति ?

(a) डिस्लैक्सिया (Dyslexia) एकं पठनवैकल्यम् अस्ति

(b) डिस्ग्रेफिया (Dysgraphia) एकं लेखनवैकल्यम् अस्ति

(c) डिस्ग्रेफिया (Dysgraphia) एकं पठनवैकल्यम् अस्ति

(d) डिस्लैक्सिया (Dyslexia) एकं लेखनवैकल्यम् अस्ति

(1) केवलं (a) सत्यम् अस्ति
(2) केवलं (b) एवं (d) सत्ये स्त:
(3) (a) एवं (b) द्वे सत्ये स्त:
(4) (c) एवं (d) द्वे सत्ये स्त:

149. रीता, एका राजकीयविद्यालयस्य अध्यापिका, सप्तमकक्षाया: छात्रान् आङ्ग्लभाषाध्यापनार्थं दृश्ययन्त्राणां भाषाक्रीडानां च प्रयोगं करोति । सा अध्यापनस्य कं सिद्धान्तं योजयति ?

(1) प्राकृतिकप्रक्रियाया: सिद्धान्त:
(2) व्यवहारस्य अभ्यासस्य च सिद्धान्त:
(3) प्रेरणाया: रुच्या: च सिद्धान्त:
(4) जीवनेन सह सम्बद्धताया: सिद्धान्त:

150. एका लघुकथा यस्यां मुख्यपात्ररूपेण जन्तव: भवन्ति, सुस्पष्टशिक्षां च शिक्षते, कथ्यते–

(1) कल्पना (Fantasy)
(2) नीतिकथा (Fable)
(3) विज्ञानकल्पना (Science Fiction)
(4) यात्रावर्णनम् (Travelogue)

- o O o -

www.careerindia.com

SPACE FOR ROUGH WORK

www.careerindia.com

CAREERINDIA

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया :

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील (Blue/Black)**-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तरांकनादनन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्त कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र-अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

www.careerindia.com